

श्री गंगा आरती in Hindi

नमामि गंगे ! तव पाद पंकजम्,
सुरासुरैः वंदित दिव्य रूपम् ।
भक्तिम् मुक्तिं च ददासि नित्यं,
भावानुसारेण सदा नराणाम् ॥हर हर गंगे, जय माँ गंगे,
हर हर गंगे, जय माँ गंगे ॥

ॐ जय गंगे माता,
श्री जय गंगे माता ।
जो नर तुमको ध्याता,
मनवांछित फल पाता ॥

चंद्र सी जोत तुम्हारी,
जल निर्मल आता ।
शरण पडें जो तेरी,
सो नर तर जाता ॥
॥ ॐ जय गंगे माता.. ॥

पुत्र सगर के तारे,
सब जग को जाता ।
कृपा दृष्टि तुम्हारी,
त्रिभुवन सुख दाता ॥
॥ ॐ जय गंगे माता.. ॥

एक ही बार जो तेरी,
शारणागति आता ।
यम की त्रास मिटा कर,
परमगति पाता ॥
॥ ॐ जय गंगे माता.. ॥

आरती मात तुम्हारी,
जो जन नित्य गाता ।
दास वही सहज में,

मुक्ति को पाता ॥
॥ ॐ जय गंगे माता.. ॥

ॐ जय गंगे माता,
श्री जय गंगे माता ।
जो नर तुमको ध्याता,
मनवांछित फल पाता ॥

ॐ जय गंगे माता,
श्री जय गंगे माता ।

Shri Ganga Aarti in English

Namami Gange! Tava pada pankajam,
Suraasuraih vandita divya roopam.
Bhaktim muktim cha dadasi nityam,
Bhavaanusarena sada naraanam.
Har Har Gange, Jai Maa Gange,
Har Har Gange, Jai Maa Gange.

Om Jai Gange Mata,
Shri Jai Gange Mata.
Jo nar tumko dhyata,
Manvanchhit phal pata.

Chandra si jot tumhari,
Jal nirmal aata.
Sharan pade jo teri,
So nar tar jata.
Om Jai Gange Mata...

Putra Sagar ke tare,
Sab jag ko gyata.
Kripa drishti tumhari,
Tribhuvan sukh data.
Om Jai Gange Mata...

Ek hi baar jo teri,
Sharangati aata.
Yam ki tras mita kar,
Paramgati pata.
Om Jai Gange Mata...

Aarti maat tumhari,
Jo jan nitya gata.
Daas vahi sahaj mein,

**Mukti ko pata.
Om Jai Gange Mata...**

**Om Jai Gange Mata,
Shri Jai Gange Mata.
Jo nar tumko dhyata,
Manvanchhit phal pata.**

**Om Jai Gange Mata,
Shri Jai Gange Mata.**